

पाठ-9 राष्ट्रगीत

प्रस्तावना , आदर्श पठन, विश्लेषण, शब्दार्थ



CLASS: V

SESSION NO : 14

SUBJECT : HINDI

CHAPTER NUMBER:10

TOPIC: पाठ-9 राष्ट्रगीत

**SUB TOPIC: प्रस्तावना , आदर्श पठन ,
विश्लेषण, शब्दार्थ**

CHANGING YOUR TOMORROW

शिक्षण उद्देश्य

- छात्रों में मौखिक तथा लिखित अभिव्यक्तियों के ग्रहण करने की कुशलता का विकास करना ।
- छात्रों को शुद्धता, समुचित गति तथा सही अनुतान के साथ सस्वर वाचन करने का अभ्यास कराना।
- भारत की प्राकृतिक सुंदरता तथा सांस्कृतिक विविधता के बारे में जानकारी देना ।



चिंतन-मनन

भारत देश अपनी प्राकृतिक विशेषताओं और संस्कृति के कारण श्रेष्ठ है। यहाँ अनेकता में भी एकता है। बच्चों में देश प्रेम की भावना कूट-कूट कर भरी होनी चाहिए।

सारे जग को पथ दिखलाने
वाला जो ध्रुव तारा है,
भारत-भू ने जन्म दिया है,
यह सौभाग्य हमारा है।



धूप खुली है, खुली हवा है,
सौ रोगों की एक दवा है।
चंदन की खुशबू से भीगा
भीगा आँचल सारा है।



जन्म भूमि से बढ़कर सुंदर,
कौन देश है इस धरती पर ?
इसमें जीना भी प्यारा है,
इसमें मरना भी प्यारा है।



चाहे आँधी शोर मचाए,
चाहे बिजली आँख दिखाए,
हम न झुकेंगे, हम न रुकेंगे,
यही हमारा नारा है।



पर्वत-पर्वत पाँव बढ़ाता,
सागर की लहरों पर गाता,
आसमान में राह बनाता,
चलता मन बनजारा है।



चाँद और मंगल का सपना,
सच होने जाता है अपना.
अमर तिरंगा ध्वज उछालकर
नवयुग ने ललकारा है।



भारत-भू ने जन्म दिया है,
यह सौभाग्य हमारा है।



शब्द

पथ

ध्रुव तारा

सौभाग्य

ध्वज

नवयुग

ललकारा

भू

अर्थ

रास्ता

वह तारा जो सदा उत्तर ध्रुव के ऊपर रहता है

अच्छा भाग्य

झंडा

नया युग

चुनौती देना

धरती

गृहकार्य

क्रियाकलाप - भारत के राष्ट्रीय ध्वज का चित्र कॉपी में बनाकर इसके अलग-अलग रंगों तथा अशोक चक्र के महत्व के बारे में लिखिए

शिक्षण प्रतिफल

छात्रों में पठन अभ्यास विकसित होगी तथा उच्चारण में शुद्धता आएगी एवं पाठ के मूल भाव के बारे में जानकारी प्राप्त होगी ।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP